04 / 01 / 80 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

वर्तमान राज्य अधिकारी बन भविष्य राज्य अधिकारी

बनने का अनुभव

➢➢ मस्तक सिंहासन पर हम आत्माएं राजन बने और शासन चलाएं, कर्मेंद्रियाँ कर्मचारी हमारी भृकुटी बीच दरबार अपना सजाएं

➳ _ ➳ मैं आत्मा राजन हूं

→ यह मस्तक मेरा सिंहासन है

→ मेरे राज्य के कारोबारी है मेरी कर्मेंद्रियाँ

→ मैं भविष्य के राज्य अधिकार की ओर बढ़ रही हूं

- सतयुग की ओर बढ़ रही हूं
- जहां होगा एक राज्य एक धर्म

→ मैं चेक करती हूं क्या मैंने अभी एक राज्य और एक धर्म की स्थापना की है

- एक राज्य यानि कि स्व पर स्व का राज्य
- एक धारणा यानी श्रीमत की पालना
- यानी सदा श्रेष्ठाचारी चढ़ती कला

➳ _ ➳ मैं मास्टर रचयिता हूं

→ मेरी रचना है यह तीन शक्तियां

- त्रिमूर्ति शक्तियां
- मन बुद्धि संस्कार

→ पहली शक्ति मन यानी संकल्प शक्ति

- रचनात्मक शक्ति
- आदिशक्ति
- जैसे ब्रह्मा हैं शिव बाबा की पहली मूर्ति

→ मेरी दूसरी शक्ति है बुद्धि

- पालनहार शक्ति
- निर्णय शक्ति
- जैसे विष्णु हैं शिव बाबा की दूसरी मूर्ति

→ मेरी तीसरी शक्ति है संस्कारों की शक्ति

- परिवर्तन शक्ति
- जैसे शंकर हैं शिव बाबा की तीसरी मूर्ति

➢➢ करें मंत्रणा मिलकर मन मंत्री से, समाचार पूछे सजन संतरी से..

➳ _ ➳ मैं करावन हार आत्मा अपनी करन हार शक्तियों की सूक्ष्म शक्तियों की चेकिंग करती हूं

→ मेरा मन मेरा विशेष कार्यकर्ता है

- यह मेरी सहयोगी शक्ति है
- हर संकल्प की उत्पत्ति मन कर रहा है

→ हे मेरे मन

- तुम मेरे हो.. बाबा के हो
- हर संकल्प बाबा की श्रीमत अनुसार ही रचना करना है
- मेरे मन, मनमत से माया आ जाऐगी इसलिए श्रीमत सिर्फ श्रीमत

→ बुद्धि संतरी है

- निर्णय कर रही है
- पालना कर रही है

→ बुद्धि से हर हलचल समाप्त हो गई

- अचल हो गई

→ हे मेरी बुद्धि

- तुम दिव्य हो
- मेरी अचल बुद्धि का हर निर्णय, स्वराज्य के राज्य की स्थापना कर रहा है
- सतयुग के राज्य अधिकार की ओर ले जा रहा है

→ संस्कार मेरी परिवर्तन शक्ति

- मन श्रीमत पर चल रहा है बुद्धि अचल हो गई है
- संस्कार श्रेष्ठ बन रहे हैं
- श्रेष्ठ परिवर्तन कर रहे हैं
- सर्व सूक्ष्म कर्मइंद्रियाँ ऑर्डर प्रमाण चल रही है
- सर्व स्थूल कर्मेंद्रियाँ ऑर्डर प्रमाण चल रही है

→ एक राज्य की स्थापना हो गई है

→ एक धर्म की स्थापना हो रही है

→ सतयुगी संस्कार, धारणाएं बन रहे हैं

→ मैं आत्मा भविष्य राज्य अधिकारी बन गई हूं